टिप्पणी

4

ग्रंथालय और संसाधन साझाकरण

परिचय

पिछले अध्याय में, आपने ग्रंथालय ऑटोमेशन के बारे में पढ़ा है। ग्रंथालय उपयोगकर्ताओं की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पुस्तकों का अधिग्रहण (aquire) करते हैं, लेकिन फिर भी वे उपयोगकर्ताओं की माँगों को पूरा नहीं कर पाते हैं। कई बार ऐसी परिस्थितियों में, ग्रंथालय अन्य ग्रंथालय के संग्रह से सहयोग लेते हैं। इससे ग्रंथालयों के बीच सहयोग बढ़ता है। इंटर-ग्रंथालय लोन सहयोग के रूप में शुरू हुआ, जहाँ ग्रंथालय अन्य ग्रंथालय से पुस्तकों को उधार लिया करते थे। बाद में, अपने उपयोगकर्ताओं के लिए बेहतर सेवाएँ प्रदान करने के लिए ग्रंथालय ने अन्य संसाधनों और सेवाओं को साझा करना शुरू कर दिया। सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों ने ग्रंथालय नेटवर्क को अमल में लाने में सक्षम बनाया और इसने कहीं से भी सभी प्रकार के संसाधनों को साझा करना संभव बना दिया।

इस पाठ में, आप विभिन्न ग्रंथालय के बीच कम्प्यूटरीकृत वातावरण में एक दूसरे के साथ सहयोग के बारे में सीखेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ को पूरा करने के पश्चात, आप सक्षम होंगे:

- संसाधन साझा करने की अवधरणा और आवश्यकता की व्याख्या करने;
- संसाधन साझा करने के उद्देश्य बताने;
- एक ग्रंथालय नेटवर्क की अवधरणा को समझाने; और
- इनफलिबनेट (INFLIBNET) और डेलनेट (DELNET) की गतिविधियों और सेवाओं का वर्णन करने में।

टिप्पणी

4.1 संसाधन साझाकरण (Resource Sharing)

'संसाधन साझाकरण' शब्द का अर्थ है संयुक्त रूप से संसाधनों का उपयोग करना। हम घर, कार्यालय और अन्य जगहों पर अपने संसाधनों को साझा करते हैं। जब उपलब्ध संसाधन माँग की तुलना में कम होते हैं, तो हम साझा करते हैं। संस्थाओं में कमरे और अन्य मूलभूत सुविधाएँ जैसे कंप्यूटर, प्रिंटर, टेलीफोन,आदि कर्मचारियों के बीच साझा करना आम है। सभी संगठन संसाधनों को साझा करते हैं, तो ग्रंथालय को भी अपने संसाधनों को क्यों नहीं साझा करना चाहिए। ग्रंथालय मानव संसाधन के अलावा पुस्तकों और अन्य पढ़ने वाली सामग्री को साझा करते हैं। इंटर-ग्रंथालय लोन (आईएलएल) सेवा संसाधन साझाकरण का एक उदाहरण है। अन्य रीडिंग सामग्री में जर्नल, डाटाबेस आदि शामिल हैं। समझना थोड़ा कठिन है कि हम मानव संसाधन को कैसे साझा करते हैं। मानव संसाधन साझा करने से, हमारा मतलब है, ग्रंथालय कर्मचारियों की विशेषज्ञता को दो या अधिक ग्रंथालयों में साझा करना। कर्मचारी एक से अधिक ग्रंथालयों में एक साथ काम नहीं कर सकते हैं, लेकिन वे उत्पाद बना सकते हैं (जैसे ग्रंथालय कैटलॉग) जो एक से अधिक ग्रंथालयों में उपयोग किया जा सकता है।

4.1.1 आवश्यकता

हमने पहले ही चर्चा की है कि हम संसाधनों को साझा करते हैं, जब वे आवश्यक संख्या से कम संख्या में उपलब्ध होते हैं। जैसा कि पहले से ही संकेत दिया गया है, एक ग्रंथालय का मूल कार्य उपयोगकर्ताओं को जानकारी प्रदान करना है जो वे चाहते हैं। हालांकि, यह किसी भी ग्रंथालय के लिए संभव नहीं है कि उपयोगकर्ताओं की सभी आवश्यक सामग्री उसके संग्रह में हो, इसके निम्नलिखित कारण हैं:

- सूचना विस्फोट
- आवश्यक सामग्री की लागत
- आधुनिक प्रौद्योगिकियाँ
- व्यक्तियों के लिए उपलब्ध संसाधनों के बीच व्यापक असमानता
- उपयोगकर्ताओं की बढ़ती ज़रूरत
- अपर्याप्त बजटीय संसाधन
- सूचना की कमी
- प्रासंगिक जानकारी का अभाव

4.1.2 लाभ

संसाधन साझा करना ग्रंथालयों संसाधनों पर खर्च को बचाने के लिए सक्षम बनाता है। सहभागी ग्रंथालय के लिए संसाधन साझा करने के सबसे अधिक महत्वपूर्ण लाभ निम्नलिखित हैं:

टिप्पणी

- सामग्री तक अभिगम प्रदान करने में सुधार होता है
- सीमित संसाधनों को बढ़ाने के लिए को-ऑपरेटिंग संस्थानों को सक्षम करता है
- कर्मचारी विशेषज्ञता बढ़ाता है
- उपयोगकर्ताओं को दी जाने वाली सेवाओं में सुधार-आता है
- अनावश्यक दोहराव से बचाता है
- उन स्थानों की संख्या कम कर देता है, जहां उपयोगकर्ताओं को सेवाओं के लिए जाने की आवश्यकता होगी
- सहयोगी ग्रंथालय में काम करने के संबंध में सुधार, और
- स्टाफ को उन्हें अपडेट रखने के लिए सहायता करता है

अत: यह निम्नलिखित तरीकों से मदद करता है:

- ग्रंथालय को उन सभी डॉक्यूमेंट का अधिग्रहण (acquire) नहीं करना पड़ेगा, जिनकी उन्हें आवश्यकता होती है। वे बढ़ती कीमतों की समस्या और उन्हें स्टोर के लिए सीमित स्थान पर काबू पाने के लिए डॉक्यूमेंट को साझा करेंगे ।
- साझाकरण द्वारा ग्रंथालयों को बड़ी संख्या में प्रलेखों का अभिगम प्राप्त होगा। इस प्रकार प्रलेखों के लिए उपयोगकर्ताओं की बढ़ती माँगों को संतोषजनक पूरा कर पाएँगे।
- यह उन्हें कर्मचारियों की विशेषज्ञता साझा करने की भी अनुमति देगा, इस प्रकार पैसे की बचत होगी तथा साथ ही कर्मचारियों का समय भी बचेगा। कर्मचारी दिनचर्या की कुछ तकनीकी गतिविधियों से मुक्त हो पाएँगे, यह उनके बीच आसानी से हो पाएगा।

यह भी पता होना चाहिए है कि संसाधन साझा करने से ग्रंथालय के वर्तमान लागत कम नहीं होती है। यह लागत को बढ़ा भी सकता है, लेकिन व्यापक रूप से यह लागत को बहुत कम करेंगा और यह ग्रंथालय की सेवाओं में सुधर करेगा। जो अन्य किसी प्रकार से नहीं होगा।

पाठगत प्रश्न 4.1

सत्य या असत्य बताएँ

1. ग्रंथालय अंतर-ग्रंथालय-ऋण (आईएलएल) के माधयम से अपने संसाधनों को साझा करते हैं।
2. संसाधन साझा करना प्रलेखों के अनावश्यक दोहराव से बचने में मदद नहीं करता है
3. सूचना विस्फोट संसाधन साझाकरण के लिए एक कारण है।

टिप्पणी

4.2.3 संचालन (Operationalization)

ग्रंथालय सहयोग आईएलएल (ILL) सेवा की शुरुआत के साथ शुरू हुआ, जोकि संसाधन साझाकरण का मूलभूत आधार है। जैसा कि पहले चर्चा की गई है, आईएलएल (ILL) को अंतर्निहित समस्याओं (inherent Problem) के कारण सीमित रूप से गठित किया गया था। इसके इतनी सक्रियता से सेवा प्रदान नहीं करने के कारण इस प्रकार थे:

- सीमित संख्या में पुस्तकों की उपलब्धता, जिससे ग्रंथालयों के लिए अन्य ग्रंथालयों के साथ सीमित अवधि के लिए भी अपनी पुस्तकों को साझा करने में मुश्किल हो रही थी।
- अपने उपयोगकर्ताओं की ग्रंथालय में पुस्तकों की माँग प्रमुख थी, अन्य ग्रंथालयों की माँगों कों बाद में देखा जाता था।
- किताबों को अन्य ग्रंथालयों में ले जाने में मुश्किल हो रही थी और इससे सेवा बाधित होती थी।
- आम तौर पर जिन पुस्तकों को आईएलएल पर अधिग्रहण करने का अनुरोध किया जाता था वे महँगी होती थी आसानी से उपलब्ध नहीं थी।

सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) में विकास ने इन समस्याओं को दूर करने तथा सहयोग को विकसित करने और बढ़ाने में मदद की। ग्रंथालय सहयोग जो कि दो या अधिक ग्रंथालयों के बीच था, जोकि भौगोलिक स्थिति की दृष्टि से पास थे, अब अलग-अलग शहरों और यहाँ तक कि अलग-अलग देशों में अलग-अलग स्थान के ग्रंथालय में संसाध न साझा करने के लिए विकसित हो गई है। आईसीटी (ICT) ने पुस्तकों के उत्पादन, दोहराव, स्टोर और ट्रांसमिशन में परिवर्तन किया है। डिजिटलीकृत पुस्तकों को आसानी से किसी भी स्थान पर भेजा जा सकता है। एक से अधिक उपयोगकर्ता एक किताब का उपयोग एक ही समय पर कर सकते हैं डाउनलोडिंग और सेविंग ने डिजीटल किताबों को उपयोगकर्ता द्वारा किसी भी समय उपयोग करना संभव बनाया है।

फिलिप सिवेल का मानना है कि संसाधन साझा करना पहले के एक ग्रंथालय सहयोग के रूप का विकास है, अन्तर सिर्फ इतना है कि ग्रंथालय सहयोग में दो या दो से अधिक ग्रंथालय साथ मिलकर उनके लक्ष्य को पाने के लिए काम करते हैं। संसाधन साझा करने में, यह माना जाता है कि ग्रंथालयों पर माँगे रखने के लिए उपयोगकर्ताओं का एक समूह मौजूद होता है। दूसरे तरफ ग्रंथालय उनकी माँगों को संतुष्ट करने के लिए संसाधनों को एकजुट करते हैं। संसाधन भौतिक या बौद्धिक हो सकते हैं, पूर्व में इसका अर्थ डॉक्यूमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर से है, जबकि बाद में इसका अर्थ मानव संसाधन से है। जो कि ग्रंथालय अपनी दिनचर्या और सेवाओं की योजना, क्रियान्वयन (implement) या मूल्यांकन (evaluation) करने में उपयोग कर सकते हैं। ग्रंथालय सहयोग दो तरह से किया जा सकता है: अलग-अलग काम करके साझाकरण या एक साथ काम करके। एक साथ काम करते समय, वे बैबिलियोग्राफिक टूल, सॉफ्टवेयर, सामग्री अर्जित करना, सम्मेलनों का आयोजन

टिप्पणी

करना और कर्मियों के अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए कार्यशालाएँ आयोजित करने में सहयोग करते हैं।

दोनों अवधारणाओं के बीच एक और अंतर सूचना प्रौद्योगिकी (Technology) के विकास की वजह से है। ग्रंथालय सहयोग एक अवधारणा थी जो निम्नलिखित कारणों से सफलतापूर्वक अमल में नहीं लाई जा सकी:

अ) भाग लेने वाले ग्रंथालयों के बीच भौगोलिक दूरी,

आ) प्रलेखों का ट्रांसमिशन और प्रतिलिपीकरण संभव नहीं हैं।

इसने ग्रंथालय के बीच सहयोग को मुश्किल बना दिया। यह केवल प्रौद्योगिकी (Technology) के क्षेत्र में उत्पादन, स्टोरेज, प्रतिलिपीकरण, प्रोसेसिंग और ट्रांसमिशन विकास के लिए हुआ, जिसने संसाधन साझा करना संभव बनाया। डेस्कटॉप उत्पादन, ई- पब्लिकेशन, चुंबकीय और ऑप्टिकल मीडिया में स्टोरेज और दूरसंचार के विकास ने डॉक्यूमेंट के प्रतिलिपीकरण और संचरण को ग्रंथालय के बीच प्रलेख साझा करने में सक्षम बनाया। डेटा और दूरसंचार नेटवर्क ने ग्रंथालय नेटवर्क को अमल में लाना आसान किया और इसने सभी प्रकार के संसाधनों को संभवत: दुनिया भर में किसी भी समय, कहीं से भी साझा करने में सक्षम बनाया।

पाठगत प्रश्न 4.2

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें

1. संसाधन साझा करने के संदर्भ में, संसाधन भौतिक या _____हो सकते हैं।
2. ग्रंथालय सहयोग, भाग लेने वाली ग्रंथालय के बीच_____ दूरी के कारण सफलतापूर्वक काम नहीं कर सका

4.3 संसाधन साझाकरण और ग्रंथालय नेटवर्क

यदि हम वापस संक्षेप में दुहराये जो हमने अब तक ग्रंथालय सहयोग की बाधाओं के बारे में कहा था। तो यह भौगोलिक बाधाएँ और किताबों के प्रतिलिपीकरण के साधनों की कमी थी, जो ग्रंथालय के संसाधनों को साझा करने से रोक रहा था। पुस्तकों को दूसरे स्थानों तक पहुंचाने में कठिनाई और उनके साथ जाना ग्रंथालयों को साझाकरण करने में हतोत्साहित कर रहा था। सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) ने हमें संसाधन साझा करने की इन बाधाओं को दूर करने में मदद की है। ग्रंथालय नेटवर्क के माध्यम से ग्रंथालय एक दूसरे से जुड़े हुए होते हैं। वे इन नेटवर्कों के माध्यम से स्थानीय रूप के साथ-साथ विश्व से जुड़े हुए हैं। कंप्यूटर ने इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज को संभव बनाया, और दूरसंचार प्रौद्योगिकी ने उनके ट्रांसफर और इलेक्ट्रॉनिक उपलब्धता को संभव बनाया, इस प्रकार, भौगोलिक दूरी और समय की बाधाओं पर काबू पाया गया।

टिप्पणी

''ग्रंथालय नेटवर्क व्यक्तियों या संगठनों का समूह है कुछ निर्दिष्ट लक्ष्य को पूरा करने के लिए एक प्रणाली बनाने हेतु परस्पर जुड़े होते हैं। संबंध (linkage) में एक संचार तंत्र होना चाहिए। इसके लिए कई नेटवर्क मौजूद हैं, जो सदस्यों के बीच संचार की सुविधा स्पष्ट रूप से देते हैं।''

नेटवर्क की एक अन्य परिभाषा इसके विशेषताओं (करैक्टरस्टिक्स) का वर्णन करती है, जैसे कि

- एक नेटवर्क का कार्य अपने पर्यावरण से संसाधनों को सुव्यवस्थित करके परिणामों को अपने किसी सदस्यों की क्षमता से परे पूरा करने में है।
- एक नेटवर्क एक संगठनात्मक डिजाइन और संरचना विकसित करता है जो इसे एक पहचानने योग्य डोमेन स्थापित करने में सक्षम बनाता है और इसके सदस्य पर उचित प्रभाव डालता हैं। यह संचार प्रौद्योगिकी पर आधारित है।

4.3.1 नेटवर्क के उद्देश्य

नेटवर्क बनाने के लिए ग्रंथालयों ने विभिन्न स्तरों पर सहयोग और समन्वय करने के लिए हाथ मिला लिया है । ये स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर होते हैं। ये नेटवर्क अस्तिव में हैं:

- ग्रंथालयों के संसाधनों को अधिकतम करना
- सूचना का दूर तक एवं विस्तृत अभिगम प्रदान करना
- तर्कसंगत अधिग्रहण और वित्तीय संसाधनों की बचत करना
- संसाधनों का इष्टतम उपयोग करना, और
- समान दिनचर्या में प्रथाएँ बनाना

ग्रंथालयों के संसाधनों को अधिकतम करना

संसाधन साझा करने का प्राथमिक उद्देश्य संसाधन आधार को अधिकतम करना है, अर्थात, संग्रह, स्टाफ, इंफ्रास्ट्रक्चर, साथ ही ग्रंथालय सेवा की सहभागिता। वे अपने स्वयं के संसाधनों को बढ़ाने के लिए अन्य ग्रंथालय के संसाधनों से लाभ उठाते है ।

सूचना का दूर तक एवं व्यापक अभिगम प्रदान करना

हम सूचना युग में रह रहे हैं जहां सभी के लिए सूचना एक ज़रूरत की वस्तु है। हम जानकारी पर अत्यधिक निर्भर हैं। यह ऊर्जा के समान महत्वपूर्ण संसाधन है। विभिन्न स्तरों पर निर्णय लेने के लिए सूचना आवश्यक है। इस परिदृश्य के दृश्य में, किसी को सूचना से वंचित नहीं होना चाहिए। ग्रंथालय में विभिन्न प्रकार के प्रलेख संग्रह होते है। वे कुछे क्षेत्रों में श्रेष्ठ और दूसरों में कमज़ोर होते है। सभी क्षेत्रों में श्रेष्ठ होने के लिए उनके संसाधन कम

टिप्पणी

हैं। यदि ग्रंथालय एक दूसरे के बीच साझा करते हैं, तो वे विभिन्न ग्रंथालय के संसाधनों को व्यापक अभिगम द्वारा प्रलेख संकलन में कमी की इस सीमा को दूर कर सकते हैं

तर्कसंगत अधिग्रहण और वित्तीय संसाधनों की बचत करना

तर्कसंगत अधिग्रहण संसाधन साझाकरण का परिणाम हैं । एक ग्रंथालय को केवल उन प्रलेखों को प्राप्त करना चाहिए जो उसके संगठन के क्षेत्र में मुख्य हैं। अन्य ग्रंथालयों के साथ सांझा करके वे यह छोटी या सहायक जरूरतों को पूरा कर सकते है। उसी प्रकार यह अन्य ग्रंथालयों की छोटी ज़रूरतों को पूरा कर सकते है। आस-पास के ग्रंथालयों में प्रलेखों के दोहराव की संम्भावना न्यूनतम या न के बराबर होनी चाहिए। इससे प्रलेखों का अधिग्रहण तर्कसंगत होगा ।

संसाधनों का इष्टतम उपयोग करना

ग्रंथालय अपने संसाधनों को बचाने और उन्हें बेहतर तरीके से उपयोग करने के लिए साझा करते हैं। अधिग्रहण प्रलेखों पर खर्च होने वाले पैसे बचाने के लिए सक्षम बनाता है। सहकारी कैटेलॉगिंग और वर्गीकरण उन्हें कर्मचारियों के वेतन बचाने, प्रयास, और तकनीकी प्रोसेसिंग पर खर्च होने वाले समय को बचाने के लिए सक्षम बनाता है।

दिनचर्या में समान प्रथाएँ बनाना

एक केंद्रीय एजेंसी को सूची बनाना (कैटेलॉगिग) और वर्गीकरण करने का कार्य सौंपा जा सकता है, जिसका दूसरों के द्वारा भी अनुसरण किया जा सकता है। इससे मानकीकरण (standardization) स्थापित होगा। समान प्रथाएँ (uniform practices) उपयोगकर्ताओं के साथ-साथ कर्मचारियों के लिए भी उपयोगी होती हैं। यह साझाकरण और आवश्यकता का भी परिणाम है।

पाठगत प्रश्न 4.3

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें

1. संसाधन के रूप में सूचना _____ के समान ही महत्वपूर्ण है
2. स्थानीय, क्षेत्रीय और _____ स्तर पर ग्रंथालय नेटवर्क स्थापित किये जाते हैं।

4.4 भारत में ग्रंथालय नेटवर्क

सूचना प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति का उपयोग करके कुशल संसाधन साझाकरण प्राप्त किया जा सकता है, अर्थात लोकल एरिया नेटवर्क (LAN), मेट्रोपॉलिटन एरिया नेटवर्क, (MAN) वाइड एरिया नेटवर्क (WAN) और इसी तरह के नेटवर्क के माध्यम से ग्रंथालयों और सूचना केंद्रों में नेटवर्किंग होती हैं।

टिप्पणी

देखा जाये तो भारत में ग्रंथालय नेटवर्क की शुरुआत अस्सी (eighties) के मध्य में कलकत्ता ग्रंथालय नेटवर्क (कैलिबेट) की अवधारणा के साथ हुई। यह मेट्रोपॉलिटन एरिया नेटवर्क (एमएएन) का एक उदाहरण है। ग्रंथालय नेटवर्क श्रेणी में अन्य लोकल एरिया नेटवर्क (लैन) और वाइड एरिया नेटवर्क (डब्ल्यूएएन) हैं। अपने नाम के अनुरूप वे क्रमशः एक महानगरीय शहर में संस्थानों के लिए, संस्थान के परिसर में और राष्ट्रीय और ग्लोबल स्तर पर सेवा करने के लिए बनाए जाते हैं ।

पूर्व में भारत में मेट्रोपॉलिटन एरिया नेटवर्क (एमएएन) की स्थापना करने में नेशनल इन्फार्मेशन सिस्टम फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एनआईएसएसएटी) की प्रमुख भूमिका थी। यह कलकत्ता ग्रंथालय नेटवर्क, कैलिबेट (1988) की स्थापना के साथ शुरू हुआ इसके बाद डेवलपिंग ग्रंथालय नेटवर्क, डेलनेट (DELNET) (1992) (पहले दिल्ली ग्रंथालय नेटवर्क के नाम से जाना जाता था), अहमदाबाद ग्रंथालय नेटवर्क, एडिनट (1993), मद्रास ग्रंथालय नेटवर्क, मालिबेट (1993), बॉम्बे ग्रंथालय नेटवर्क, बोनेट(1994), मैसूर ग्रंथालय नेटवर्क, मैलिबनेट(1994) और बैंगलोर ग्रंथालय नेटवर्क, बाल्नेट (1995) की स्थापना हुई।

कैलिबेट में कोलकाता के विभिन्न ग्रंथालय इसका हिस्सा थे जिसमें विश्वविद्यालय, कॉलेज, अनुसंधान और सरकारी ग्रंथालय सम्मिलित हैं। इसका उद्देश्य शहर में उपलब्ध ग्रंथालय संग्रह का अभिगम तथा इसके उपयोगकर्ताओं को आवश्यक ग्लोबल जानकारी प्रदान करना था।

बोनट की शुरुआत 1994 में एनआईएसएसएटी (NISSAT) के सहयोग से नेशनल सेंटर ऑफ सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी (एनसीएसटी) की इमारत में हुई, जो अब सी-डीएसी (सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग) जाना जाता है। इसने भाग लेने वाले ग्रंथालयों और अन्य विशेष डेटाबेस के लिए केंद्रीकृत अभिगम प्रदान करने की योजना बनाई । इसने व्यावसायिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जो सहभागी ग्रंथालयों में काम कर रहे थे।

इनफार्मेशन और ग्रंथालय नेटवर्क (INFLIBNET), जो इंटर- यूनिवर्सिटी सेंटर का प्रोजेक्ट (IUC) था ग्रंथालय और इन्फार्मेशन संसाधनों और सेवाओं को अकादमिक और अनुसंधान संस्थान के बीच साझा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विभिन्न मेट्रोपॉलिटन एरिया नेटवर्क (MAN) में से, DELNET सक्रिय रूप से सदस्य को अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा है हैं और नई सेवाएँ शुरू कर रहा हैं। दूसरे नेटवर्कों में उनके उद्देश्यों को प्राप्त करना इतना सक्रिय नहीं किया गया है

आइए हम भारत में इन्फलिथनेट (INFLIBNET) और (DELNET) नेटवर्क के बारे में और अधिक विवरणों की चर्चा करें।

4.4.1 इनफार्मेशन और ग्रंथालय नेटवर्क (INFLIBNET)

इनफार्मेशन और ग्रंथालय नेटवर्क (INFLIBNET), इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर (आईयूसी) ए प्रोजेक्ट यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) ग्रंथालय और इन्फॉर्मेशन संसाधनों और सेवाओं को अकादमिक और अनुसंधान संस्थान के बीच साझा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

टिप्पणी

INFLIBNET की गतिविधियाँ

जेसीसीसी (JCCC) के माध्यम से प्रलेख वितरण

इनलिबैकेट (INFLIBNET) JCCC@UGCINFONET के तहत सब्सक्राइब जर्नल के व्यापक संग्रह से अंतर्ग्रंथालय ऋण और प्रलेख वितरण सेवाएँ प्रदान करता है। उपयोगकर्ताओं के आईएलएल अनुरोध को पूरा करने के लिए 22 ग्रंथालयों को नियुक्त किया है, जो कि यूजीसी के अंतर्गत आने वाले 149 विश्वविद्यालय से संबद्ध (affiliated) है। आईएलएल ग्रंथालय एक साथ मिलकर 2000 से अधिक सामयिकियाँ सब्सक्राइब कर रहे हैं जो कंसोर्टियम के माध्यम से उपलब्ध नहीं हैं।

विश्वविद्यालय उन लेखों के लिए अनुरोध कर सकते हैं जो उनके ग्रंथालय में उपलब्ध नहीं हैं किन्तु उन ग्रंथालय की जर्नल होल्डिंग्स मिलते हैं, जब वे जेसीसीसी में खोज करते हैं।

INFLIBNET संसाधनों को साझा करने के लिए सहभागी ग्रंथालयों के संग्रह के लिए निम्नलिखित बिवलियोग्राफि डेटाबेस बना रहा है:

- सीरियल होल्डिंग्स
- करंट सीरियल
- माध्यमिक (secondary) सीरियल कैटलॉग
- थीसिस
- पुस्तकें

NLIST

विद्वानों के लिए राष्ट्रीय ग्रंथालय सूचना सेवाओं की बुनियादी सुविधा (एनआईएलआईएसटी) एक परियोजना है जिसे संयुक्त रूप से यूजीसी-इन्फोनेट डिजिटल ग्रंथालय कंसोर्टियम, INFLIBNET केंद्र और INDEST& AICTE कंसोर्टियम द्वारा निष्पादित किया जा रहा है। एन-लिस्ट (N-LIST) परियोजना छात्रों, शोधकर्ताओं और कॉलेजों व अन्य संस्थानों के संकाय (faculty) को ई-संसाधनों का अभिगम प्रदान करती है। कॉलेजों के प्राधिकृत (authorized) उपयोगकर्ता अब ई-संसाधनों का अभिगम कर सकते है और आलेख सीधे प्रकाशकों के वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं जब वे एक बार INFLIBNET केंद्र में तैनात सर्वर के जरिए अधिकृत उपयोगकर्ता बन जाते हैं।

Shodhganga

Shodhganga@INFLIBNET सेंटर शोधकर्ताओं को अपनी पीएचडी थीसिस जमा करने के लिए एक मंच उपलब्ध कराता है। यह पूरे स्कॉलर समुदाय के लिए मुक्त अभिगम उपलब्ध कराता है। रिपॉजिटरी में शोधकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत इलेक्ट्रोनिक थीसिस को कैप्चर, इंडेक्स, स्टोर और संरक्षित करने की क्षमता है। INFLIBNET का अन्य विवरण उनकी वेबसाइट http://www-inflibnet-ac-in पर उपलब्ध है।

टिप्पणी

4.4.2 डेलनेट

डेलनेट जनवरी 1988 में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर ग्रंथालय में शुरू हुआ था और 1992 में एक सोसाइटी के रूप में पंजीकृत किया गया था। यह शुरू में नेशनल इनफार्मेशन सिस्टम फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा समर्थित था, बाद में नेशनल इनफार्मेटीक सेंटर और डिपार्टमेंट ऑफ कल्चर, भारत सरकार द्वारा समर्थित किया गया। यह ग्रंथालय के एक नेटवर्क के विकास के माध्यम से ग्रंथालयों के बीच संसाधन साझाकरण को देने के प्रमुख उद्देश्य के साथ स्थापित किया गया था।

इसका उद्देश्य एक उपयोगकर्ताओं को कम्प्यूटरीकृत सेवा के अलावा सूचना एकत्र करने, संग्रह करने और प्रसार करने, प्रयासों का समन्वय करके उपयुक्त संग्रह विकास करना, और जहाँ भी संभव हो तो अनावश्यक दोहराव को कम करने का है। DELNET अपने सदस्य ग्रंथालयों, संस्थागत और सहयोगी संस्थागत को ई-मेल सहित कई सुविधाएँ प्रदान करता है।

सेवाएँ

- **डाटाबेस डेवलपमेंट**

  डेलनेट ने विभिन्न प्रकार की सामग्री के डेटाबेस विकसित किए हैं, जिसमें, पुस्तकें, पत्रिकाएँ, थीसिस, विशेषज्ञ आदि शामिल हैं जो विभिन्न सेवाएँ प्रदान करते हैं।

- **अंतर-ग्रंथालय ऋण और प्रलेख वितरण सेवाएँ**

  डेलनेट अपने सदस्य ग्रंथालयों को अंतर-ग्रंथालय ऋण और प्रलेख वितरण सेवाएँ प्रदान करता है पुस्तकों के लिए ILL अनुरोध ऑनलाइन पंजीकृत किया जा सकता है। जो संसाधन यूनियन कैटलॉग और जर्नल लेख में उपलब्ध नहीं हैं, उनके लिए ई-मेल के जरिए DELNET को अनुरोध भेजा जा सकता है।

रेफरल सेवा

डेलनेट एक रेफरल केन्द्र का रखरखाव करता है जो नेटवर्किंग और सहभागी ग्रंथालयों के लिए संदर्भ सुविधाएँ प्रदान करता है यह भी केंद्रीय डेटाबेस के अभिगम की देखभाल करता है और शीघ्र उत्तर प्रदान करता है डेलनेट के अन्य विवरण उनकी वेबसाइट http://delnet-nic-in/ पर उपलब्ध हैं।

गतिविधियाँ 4.1

1. इनफलिबनेट (INFLIBNET) की वेबसाइट पर जाएँ और उनकी सेवाओं की सूची दें।
2. अपने शहर में ग्रंथालयों की एक सूची तैयार करें जो कि डेलनेट (DELNET) में भाग लेती हैं।

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 4.4

निम्नलिखित का मिलान करें

ए)	मेट्रोपॉलिटन नेटवर्क	1.	विश्वविद्यालय परिसर ग्रंथालय नेटवर्क
बी)	लोकल एरिया नेटवर्क	2.	कलकत्ता ग्रंथालय नेटवर्क
सी)	ग्रंथालय नेटवर्क का विकास	3.	ऐडीनेट (ADINET)
डी)	इनफलिबनेट (INFLIBNET)	4.	डेलनेट (DELNET)
ई)	अहमदाबाद ग्रंथालय नेटवर्क	5.	इनफार्मेशन और ग्रंथालय नेटवर्क

आपने क्या सीखा

- संसाधन साझा करना ग्रंथालय की एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। कोई भी ग्रंथालय अपने उपयोगकर्ताओं को अपने आप से संतुष्ट नहीं कर सकता है। इसे अन्य ग्रंथालयों पर निर्भर होना पडता है। आईसीटी के विकास से पहले संसाधन साझाकरण की अवधारणा और संचालन करना कठिन था। नेटवर्क ने ग्रंथालयों को जोड़ा है। स्कोप और विशेषज्ञता में भिन्नता के कारण बहुत सारे ग्रंथालय नेटवर्क है।
- इनफलिबनेट (INFLIBNET) भारत में इस तरह का एक उदाहरण है। यह देश में शैक्षिक और अनुसंधान समुदाय के लिए यूजीसी द्वारा स्थापित किया गया था। यह अपने उपयोगकर्ताओं को सभी क्षेत्रों के ग्लोबल साहित्य को रिमोट अभिगम प्रदान करता है। इसके लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप विभिन्न डाटाबेस बना रहे हैं जो नवीनतम शोधगंगा के साथ जारी है जिसमें भारतीय विश्वविद्यालयों को प्रस्तुत किए गए शोध ग्रंथ शामिल हैं।
- डेलनेट (DELNET) एक और नेटवर्क है जो दुनियाभर में उपयोगकर्ताओं को सेवाएँ प्रदान करता है। दिल्ली के लिए मेट्रोपॉलिटन ग्रंथालय नेटवर्क ग्रंथालय के रूप में शुरू करके इसने अपने पंखों को विभिन्न देशों के ग्रंथालय तक फैलाया। के लिए है यह भाग लेने वाले ग्रंथालयों के लिए एक यूनियन कैटलॉग रखता है और ग्रंथालय सदस्यों को उनकी होल्डिंग्स का अभिगम प्रदान करता है। इसमें अन्य विशिष्ट सेवाएँ भी हैं और ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान से संबंधित विषयों/क्षेत्रों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है।
- संसाधन साझाकरण और नेटवर्किंग के साथ, हम एक साथ ग्रंथालय के सभी संसाधनों, सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, अनुसंधान संस्थानों, विभिन्न विभागों और व्यक्तियों के संसाधन को भी पूल कर सकते हैं। इससे हमारे लिए यह भी संभव होगा कि हम देश में सभी ग्रंथालयों में एक साथ अधिक से अधिक सूचना स्रोतों को प्राप्त कर सकेंगे। ये उपयोगकर्ताओं की विभिन्न श्रेणियों को इंटर-कनेक्ट कर सकते हैं।

टिप्पणी

इसलिए, यह माना जाता है और उम्मीद की जाती है शिक्षित लोगो द्वारा या समाज के रचनात्मक सदस्यों को अपने देश में या दुनिया भर में जो भी हो रहा है का तवरित अभिगम एक्सेस प्राप्त करने के लिए, नेटवर्क को वरदान माना जाता है

पाठान्त प्रश्न

1. संक्षिप्त रूप से ग्रंथालय सहयोग के महत्व का वर्णन करें
2. डेलनेट (DELNET) या इनफलिबनेट (INFLIBNET) की गतिविधियों और सेवाओं को विस्तार से बताएँ
3. संसाधन साझाकरण नेटवर्क के लाभ पर चर्चा करें

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

4.1

1. सत्य
2. असत्य
3. सत्य

4.2

1. बौद्धिक
2. भौगोलिक

4.3

1. ऊर्जा
2. राष्ट्रीय

4.4

1. ए) - 2)
   बी) - 1)
   सी) - 4)
   डी) - 5)

ई) - 3)

टिप्पणी

शब्द

इस पाठ में प्रयुक्त शब्द जिनको और व्याख्या की आवश्यकता है वे नीचे दिये गए हैं। शिक्षार्थियों से अपेक्षा है कि वे इनकी व्याख्या करें।

1. **आईएलएलः**
2. **लैनः**
3. **ग्रंथालय सहयोगः**
4. **ग्रंथालय नेटवकः**
5. **संसाधन साझाकरणः**
6. **वेनः**